हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 13 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिला जेल मंडला का निरीक्षण, बंदियों की समस्याएं सुनकर दिए आवश्यक निर्देश

मण्डला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी ने शनिवार को जिला जेल मंडला का निरीक्षण किया। इस दौरान विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री जोशी ने पुरुष एवं महिला बैरकों, पाकशाला, शौचालयों तथा बंदियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने जेल मैनुअल के अनुरूप व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आवश्यक विधिक सलाह प्रदान की। विधिक जागरूकता कार्यक्रम में बंदियों को उनके अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता एवं विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी दी गई। जिन बंदियों के पास अधिवक्ता नहीं थे, उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समय पर पेशी सुनिश्चित करने तथा उच्च न्यायालय में अपील योग्य मामलों में शीघ्र निःशुल्क विधिक सहायता के माध्यम से अपील करने की सलाह भी दी गई। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तपन धारगा, जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े, जेल अधीक्षक संजय सहलाम, जेल स्टाफ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं बंदीजन उपस्थित रहे।

सब्जी मंडी में स्वच्छता के प्रति विक्रेताओं को किया जागरूक

मण्डला। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत शनिवार को सब्जी मंडी, मंडला में विशेष आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान सब्जी विक्रेताओं को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए अपनी दुकानों पर डस्टबिन रखने तथा सब्जियों का अपशिष्ट एवं अन्य कचरा केवल नगर पालिका के डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन में ही देने की अपील की गई।

बाइक-ऑटो टक्कर के बाद सड़क पर बिखरे सांभर के सींग

वन्यजीव तस्करी का संदेह, युवक गिरफ्तार

*** दो सींग मिले जिन्हें वन विभाग ने अपने कब्जे में लिया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला में शनिवार देर रात सड़क हादसे के बाद वन्यजीव तस्करी का संदिग्ध मामला सामने आया। कोतवाली थाना क्षेत्र के देवदरा स्थित राजीव कॉलोनी चूना भट्टा के पास बाइक और मालवाहक ऑटो की टक्कर में बाइक पर रखे सांभर के सींग सड़क पर बिखर गए। राहगीरों ने युवक को पकड़कर पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग ने सींग जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद सड़क पर बिखरे सांभर के सींग

जानकारी के अनुसार, जवाहर वार्ड निवासी सुशील सिंघिया (29) शनिवार देर रात बाइक से राजीव कॉलोनी की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक एक मालवाहक ऑटो से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक पर रखे सांभर के दो सींग सड़क पर गिर गए। यह देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ हटाकर यातायात बहाल कराया और युवक के साथ उसकी बाइक को थाने ले गई। प्रारंभिक पूछताछ में युवक सींगों के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी।

सांभर अनुसूची-1 का संरक्षित वन्यजीव

वन परिक्षेत्र सहायक अजय तिवारी ने बताया कि आरोपी के पास से सांभर के दो पुराने सींग बरामद हुए हैं। पंचनामा और बयान दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। विभाग यह पता लगा रहा है कि सींग कहां से लाए गए और इन्हें किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था।

साथ ही इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि सांभर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 में संरक्षित वन्यजीव है। जांच पूरी होने के बाद संबंधित आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

जनजाति कार्य विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी

*** स्कूल-छात्रावासों के काम प्रभावित होने की आशंका।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के जिला कार्यालय में लिपिकीय कर्मचारियों की भारी कमी से विभागीय कार्य प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार कर्मचारियों के अभाव में एक-एक कर्मचारी को दो से तीन शाखाओं का अतिरिक्त दायित्व संभालना पड़ रहा है, जिससे स्कूलों, छात्रावासों एवं अन्य कार्यालयीन कार्यों के लंबित होने की स्थिति बन रही है।

जानकारी के अनुसार कार्यालय में लिपिकीय संवर्ग के कुल 28 स्वीकृत पद हैं, जिनमें 8 लेखापाल, 10 सहायक ग्रेड-2 तथा 10 सहायक ग्रेड-3 के पद शामिल हैं। इनमें पहले 15 कर्मचारी कार्यरत थे, लेकिन चार कर्मचारियों के स्थानांतरण तथा एक कर्मचारी के निलंबन के बाद वर्तमान में मात्र 10 कर्मचारियों पर पूरे जिला कार्यालय का कार्यभार आ गया है।

बताया जा रहा है कि सीमित कर्मचारियों के कारण कई महत्वपूर्ण शाखाओं का कार्य प्रभावित हो रहा है। एक ही कर्मचारी को कई सेक्शन संभालने पड़ रहे हैं, जिससे फाइलों के निराकरण में विलंब हो रहा है। इसका असर विभाग के अधीन संचालित विद्यालयों, छात्रावासों तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर जिला कार्यालय पहुंचने वाले हितग्राहियों को भी समय पर कार्य नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति या पदस्थापना की जाए, ताकि विभागीय कार्यों में तेजी आए और आमजन सहित स्कूलों एवं छात्रावासों से जुड़े कार्य समयबद्ध ढंग से संपादित हो सकें।

पुलिस बल कमी से जूझ रहा बिछिया थाना

*** बढ़ते कार्यभार के बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखना बनी चुनौती।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

मंडला जिले का आदिवासी अंचल भुआ बिछिया थाना वर्तमान समय में पुलिस बल की कमी से जूझ रहा है। थाना क्षेत्र का दायरा बहुत बड़ा है, जबकि उपलब्ध पुलिस बल सीमित होने के कारण कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ रहे कार्यभार को देखते हुए थाना में अतिरिक्त पुलिस बल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। बिछिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर परिषद के अलावा पूरा क्षेत्र अनेक ग्राम पंचायतें, वन क्षेत्र, दुर्गम ग्रामीण इलाके तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-30 का बड़ा हिस्सा आता है। इस राजमार्ग पर प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क दुर्घटनाओं, यातायात नियंत्रण, चोरी, मारपीट, अवैध गतिविधियों की शिकायतों, गुमशुदगी, महिला सुरक्षा, सार्वजनिक आयोजनों, वीआईपी ड्यूटी तथा विभिन्न सरकारी अभियानों की जिम्मेदारी भी इसी थाना पर रहती है। सीमित पुलिस बल के कारण सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार किसी बड़ी घटना, विशेष अभियान, त्योहार या कानून-व्यवस्था संबंधी ड्यूटी में अधिकांश पुलिस बल व्यस्त हो जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित गश्त प्रभावित होती है। लोगों का मानना है कि पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध होने से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और आम जनता में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत होगी। पर्याप्त सुरक्षा बल के उपलब्ध रहने से आपराधिक गतिविधियों में कमी आएगी आज नगर क्षेत्र सहित आस पास ग्रामों में जुआ सट्टा शराब चोरी की वारदाते दिन प्रतिदिन बढ़ रही है जिन पर अंकुश लगाना अवश्यक है मगर प्रशासनिक व्यवस्थाएं ही कमजोर रहेगी तो कैसे होगा बिछिया थाने में पुलिश बल की कमी होने से आपराधिक गतिविधियों में अंकुश लगाना मुश्किल है।

10 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

एकल अभियान अंचल मंडला द्वारा 10 दिवसीय नवीन आचार्य अभ्यास वर्ग एवं पांच दिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग का आयोजन 5 जुलाई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है प्रशिक्षण वर्ग तुलसी तपोवन आश्रम सुरंग देवरी में प्रारंभ हुआ जिसमे एकल अभियान के पांच आयाम प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा, जागरण शिक्षा, संस्कार शिक्षा,के बिषय में आचार्य-आचार्या भाई-बहन को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में अंचल समिति अध्यक्ष आनन्द सोनी, अंचल सचिव प्रदीप सिंह, अंचल हरि कथा अध्यक्ष श्रीमती उमा यादव दीदी, अंचल महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती प्रिया धुर्वे दीदी, सचिव श्रीमती मीनाक्षी यादव दीदी, अंचल टोली से मनोहर नन्देहा अंचल अभियान प्रमुख, अनुज डोगरे कार्यालय प्रमुख, राजेश यादव अंचल प्रशिक्षक एवं संच टोली की उपस्थित रही। प्रारंभ भारत माता एवं सरस्वती जी की आराधना के साथ हुआ तत्पश्चात हनुमान चालिसा का पाठ किया गया और आचार्यों को अंचल समिति द्वारा प्रशिक्षण को लेकर दिशा-निर्देश दिये गये।

आयोजन | **छात्र वा राष्ट्रहित में विद्यार्थी परिषद का योगदान सराहनीय:संपतिया उइके।**

अभाविप की 'जनजाति छात्र चौपाल' का आयोजन

*** केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य माखन शर्मा ने किया छात्रों का मार्गदर्शन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) मंडला नगर इकाई द्वारा आज रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मण्डला में 'जनजाति छात्र चौपाल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष चौपाल का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को उजागर करना और युवा छात्रों को शिक्षा व रोजगार के नए अवसरों से जोड़ना था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां उइके उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास बेहद गौरवशाली और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने युवाओं से अपनी अनूठी संस्कृति, समृद्ध परंपरा और प्रकृति संरक्षण के संकल्प को बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा और विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही छात्र हित एवं राष्ट्रहित में विद्यार्थी के द्वारा किये जा रहे विभिन्न रचनात्मक कार्यों की सराहना की।

कौशल विकास और रोजगार पर जोर देते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अभाविप के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य श्री माखन शर्मा ने युवाओं को आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास (Skill Development) से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ-साथ हुनरमंद होना बेहद जरूरी है, जिससे रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने अभाविप द्वारा छात्रों के हित में किए जा रहे रचनात्मक कार्यों और आगामी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

इन प्रमुख विषयों पर हुआ गहन मंथन

गौरवशाली इतिहास व संस्कृतिः जनजातीय नायकों के योगदान और सांस्कृतिक धरोहर का स्मरण।परंपरा और प्रकृति संरक्षणः जल, जंगल और जमीन की रक्षा के पारंपरिक तौर-तरीकों को बढ़ावा देना।शिक्षा के समान अवसरः सुदूर अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना।कौशल और रोजगारः युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग और रोजगार के नए विकल्प।

महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस चौपाल में जिला संगठन मंत्री जितेंद्र यादव,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वागीश पटेल,जिला संयोजक प्रिंस सिंह,नगर मंत्री उमंग राय, एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के छात्र-छात्राएं, विधार्थी और अभाविप के स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में

15 जुलाई को भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम टेलर का होगा मंडला आगमन

*** तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का 15 जुलाई को प्रथम मंडला नगर आगमन हो रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर ने आगामी कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का आगमन युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी अवसर है। कार्यक्रम को अनुशासित एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करे। उन्होंने विशेष रूप से जिला कार्यालय में आयोजित होने वाले युवा संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी एवं उत्साह के साथ स्वागत करने का आव्हान किया। वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयदत्त ने भी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती एवं कार्यक्रम की सफलता के लिए सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष आशीष झरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा से कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए सभी मंडलों एवं मोर्चा पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बैठक का संचालन भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी सर्वज्ञ सोनी ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, भाजयुमो जिला महामंत्री रानू राजपूत, मीडिया प्रभारी ऋषभ सिन्हा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंचल जैन, प्रगल्भ तिवारी, अजीत सिहानी, मंडल अध्यक्ष अंकित ज्योतिषी, उत्कर्ष यादव, अरुण यादव, विकास द्विवेदी, नीलेश शुक्ला, जितेंद्र नंदा, मंगलेश चक्रवर्ती,देव राजानी, मोहन शाह, विकास यादव, सावन नीखर,राहुल सिंगौर, सौरभ गुप्ता, गोलू ठाकुर विकास गोस्वामी,सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कब मिलेगी पुराना बस स्टैंड के जाम से मुक्ति...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभयदान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और न ही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है। क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है, जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है। इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है? वही दूसरी ओर इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य जहां अभी आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनते हुये देखे जा रहे है तो फिर बारिश के दिनों में क्या हाल होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है?

ग्रामीण सड़कों से निकल रहे भारी भरकम वाहनों के चलते टूट रही सड़क, आम लोगों की जान के लिए बना खतरा

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर वह सड़क निर्मित होने के चंद दिनों बात जिस प्रकार से टूट रही है उसका प्रमुख कारण यह है कि प्रभावशालियों के दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की मार जहां यह सड़क सहन नही कर पा रही है। वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने से भी नही बच पा रहा है? क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए जिस प्रकार से गांव गांव सरकार द्वारा प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क व मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत जिन सड़को का निर्माण किया जाता है इन सड़कों को उसी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है इन सड़कों से इस प्रकार के भारी वाहन तो निकलेगे ही नही सिर्फ किसानों के ट्रेक्टर ट्राली ही निकलेगे। मगर जिस प्रकार से इन ग्रामीण सड़को पर बड़े बड़े दस चाक वाले डम्फर दौड़ रहे है उसके चलते ग्रामीण सड़क चंद दिनों में ही टूटकर चकराचूर होने से नही बच पा रही है। जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये वर्ष जिला कलेक्टर द्वारा भी इस प्रकार से ग्रामीण सड़को से भारी भरकम डम्फर के दौड़ने संबंध प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किये गये थें। तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश में इस बात का उल्लेख किया गया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़को पर वोर्ड स्थापित किये जावे जिसमें इस बात को उल्लेख किया जावे कि यह सड़क कितनी क्षमता के वाहनों का भार सहन कर सकती है उससे अधिक क्षमता के वाहनों को पूर्णरूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था। मगर वर्तमान समय में देखने मिल रहा है कि शायद जिला स्तर से लेकर स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों को इस बात से कोई लेना देना नही रह गया है ओर ग्रामीणों की सुविधाओं के लिये बनाई गई सड़को पर भारी भरकम स्थिति के दौड़ने वाले वाहनों को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते जहां ग्रामीण सड़के लगातार टूटते हुये दिखाई दे रहे है।

क्षेत्र में लगातार विकास की गंगा बहने के बाद भी सालीचौकावासी मायूस हो रहे बस स्टेन्ड के अभाव में

चाय, पान के टपरा तो खुले मैदान में खडे होकर बसों का इंतजार बस यात्रियों की बनी मजबूरी...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि क्षेत्र में विकास नही हो रहे है लगातार विकास की गंगा बहने के बाद भी यदि क्षेत्र की जनता छोटी छोटी जरूरतों की मुहताज होकर परेशान होते हुए देखा जावे तो निश्चित ही क्षेत्र के उन विकास कार्यो के औचित्य पर सबाल खड़े होने से नही चूक पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां एक ओर सालीचौका को नगर पंचायत का दर्जा मिलने के कारण उसका दुनिया के मान चित्र में दर्जा जरूर बढ़ गया है। मगर यदि यहां पर व्यवस्थाओं की ओर गौर किया जावे तो आज भी क्षेत्र के लोग अनेक सुविधाओं को तरशते हुए देखे रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर अनाज मंडी की व्यवस्था तो हो चुकी है। मगर वह भगवान ही भरोसे चल रही है जिसे मात्र निश्चित सीजन पर ही खुलते हुए देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार का हाल स्थानीय रेल्वे स्टेशन का है जहां पर बड़ी रेल गाड़िया का स्टाप न होने के कारण लोगों को यदि नागपुर जाने की जरूरत होती है तो उन्हें गाडरवारा या फिर पिपरिया से रेल पकड़ने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग जिस प्रमुख समस्या से जूझ रहे है वह प्रमुख रूप से है यहां पर बस स्टेन्ड का न होना बताया जाता है कि सालीचौका में जहां सप्ताह में दो बार बाजार लगता है वही रेल्वे स्टेशन होने के कारण यहां पर लोगों का आना जना बना रहता है। वही रेल्वे सुविधाओं की ओर गौर किया जावे तो यहां के रेल्वे स्टेशन पर भी मात्र चंद ट्रेनों का स्टाप होने के कारण क्षेत्र के अधिकांश लोगों का आना जाना बसों के माध्यम से ही होता है। वही यहां पर क्षेत्र के चारों से बसों का आगमन होता है क्योंकि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला प्रमुख ग्राम बारहाबड़ा के लिए भी यहां से बस पहुंचती है वही गाडरवारा से भी बसों का आना जाना होता है। इस स्थिति में सालीचौका पूर्णरूप से एक कस्बा का स्वरूप ले चुका है जिसके आस पास सैकड़ो ग्रामों के लोग प्रतिदिन सालीचौका आना जाना करते हुए अपनी अन्य जरूरी कार्य यही से निपटाते है। मगर इसके बाद भी यहां पर बस स्टेन्ड के साथ साथ यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण जहां बस यात्रियों को अनेक परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है तथा दूसरी ओर नगर की यातायात व्यवसथा भी बिगड़ रही है। बताया जाता है कि निर्धारित स्थल पर बस स्टेन्ड के आभाव में बसों को हर कही रोकते हुए जहां सबारी बैठारी व उतारी जाती है। वही यात्री प्रतिक्षालय नही होने की स्थिति में बारिश का मौसम हो या फिर तेज गर्मी सहित ठंड के दिनों में बस यात्रियों को खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुये देखा जाता है। इस दौरान भयानक स्थिति तो खराब जब होती है तब किसी यात्री के साथ मरीज या फिर महिलाएं होती है इस स्थिति में खुले स्थानों या फिर चाय नास्ता की दुकानों पर बैठकर जब बस यात्री बसों का इंतजार करते है तो महिला बस यात्रियों को अनेक प्रकार से मनचले लोगों की छिटाकशी का सामना करने भी मजबूर होना पड़ता है? इस प्रकार से क्षेत्र का लगातार विस्तार होने के बाद भी आज तक क्षेत्र की लोगों को यात्री प्रतिक्षालय की व्यवस्था न हो पाना निश्चित ही विकास कार्यो पर सबाल खडें करते हुए जान पड़ रहा है? वही अब सबाल यह उठता है कि जब सालीचौका पहले से ही एक कस्बा के रूप में स्थापित हो चुका है और जहां पर शासन द्वारा शासकीय चिकित्सालय से लेकर पुलिस चौकी व बैकों के साथ बिजली आफिस सहित हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल तक स्थापित किये गये है तो फिर आखिर में आज तक यहां पर निश्चित जगह बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय क्यों नही बनाया गया है? वही अक्सर देखा जाता है कि लगातार क्षेत्र में कोई न कोई बडे नेता के साथ साथ मंत्रियों का तक आगमन होता है और उनके द्वारा क्षेत्र विकास के लिए बड़ी बड़ी बाते करते हुए क्षेत्र की जनता की तालियों से सम्मान प्राप्त करते हुए हाथ हिलाकर चले जाते है तो सबाल यह पैदा होता है कि क्या उन नेताओं को इस क्षेत्र के लोगों की यह प्रमुख समस्या कभी नही नजर आई जिसके चलते आज भी यहां के लोग बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है..? क्योंकि बस स्टेन्ड न होने की स्थिति में बसों के सड़को पर खड़े होने के कारण जहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। वही यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में बस यात्री गर्मी हो या फिर बारिश के दिनों में उन्हें बैठने के लिए उचित व्यवस्था खोजना भी मुश्किल हो जाता है। अक्सर देखा जाता है कि वह अपने बैठने के लिए छायादार जगह खोजने पर भी नही मिल पाती है तो वह किसी चाय नास्ता दुकान की शरण में जाते है तो उन्हें मजबूरी बस उन्हें उस दुकान से चाय नास्ता करने मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि हर दुकान पर लिखा होता है कि यहां पर फालतू बैठना मना है? इस स्थिति में यात्री मजबूरी बस अपनी जेब को हल्का करते हुए दुकानदार की नजर में फालतू नही होना चाहता? वही जब हमारी टीम ने एक वाहन मालिक से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यहॉ बस स्टेड की कमी हम सभी वाहन संचालको को हमेशा से खलती आ रही है हम भी चाहते है कि सीलचौका मे एक बस स्टेड का होना अत्ति आवश्यक है।

मंत्री सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आमजन को जरूरत पड़ने पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाये प्रदान करने की सोच रखते हुये अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाये चला रही है। इन योजना को मरीजों को सही रूप से लाभ मिल रहा है कि इस बात को लेकर क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा आये दिन स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के डाक्टरों को जरूरी दिशा निर्देश देते हुये देखे जाती है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस नगर के शासकीय चिकित्सालय में प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शासकीय सिविल अस्पताल में शनिवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में गाडरवारा सहित साईंखेड़ा, सालीचौका एवं चीचली क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान मंत्री सिंह ने कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये उन्होंने जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समाजसेवियों एवं दानदाताओं से अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं के विकास हेतु सहयोग करने का आह्वान किया। बैठक में अस्पताल में 24 घंटे निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने तथा ओपीडी पंजीयन के लिए कंप्यूटरीकृत तीन काउंटर स्थापित करने के साथ साथ नए भवन में रैंप सहित मरीजों की सुविधा अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने तथा रिक्त पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा दो मॉर्चुरी बॉक्स उपलब्ध कराने एवं अस्पताल के मुख्य प्रवेश मार्ग के निर्माण का भी निर्णय लिया गया। अस्पताल परिसर की शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से कोचर कॉलोनी मार्ग पर भारी वाहनों, डीजे वाहनों एवं अनावश्यक शोर-शराबे पर नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग लगाने तथा जुलूसों के आवागमन को प्रतिबंधित करने संबंधी प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के आलवा मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश, रोगी कल्याण समिति के सदस्य श्रीमती बसंती पालीवाल, समाज सेवी शैलेंद्र जैन, अरुण बड़कुर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा, राव संदीप सिंह के आलवा प्रशासन की ओर से एसडीएम मणिन्द्र सिंह, एसडीओपी ललित डागुर, अस्पताल अधीक्षक डॉ. उपेंद्र वस्त्रकर सहित सभी बीएमओ एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

गांवों में धड़ल्ले से खुल रही शासन के मापदंडों को दरकिनार कर निजी संस्थाओं की अनदेखी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर खड़े कर रही सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है, मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। बच्चियों को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं, किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहर के तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये माप दंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। वही अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है? जिसके चलते देखा जा रहा है कि आने वाले 1 जुलाई से नये शिक्षा सत्र की शुरूआत करने की तैयारियाँ स्कूलों द्वारा अभी से करना शुरू कर दिया गया है जिसके चलते इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है..? अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है। मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है? जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते, उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल मंल फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है, ऊपर से गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है, मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है, वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नही चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके।

रोटरी क्लब द्वारा कोठिया ग्राम मे लगाया स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। रविवार को रोटरी क्लब द्वारा समीपस्थ ग्राम कोठिया में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 300 ग्रामीण मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया। बताया जाता है कि इस दौरान सभी मरीजों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। इस सेवा शिविर में स्थानीय चिकित्सक डॉ. श्रीमती स्वाति कुरचनिया, डॉ. अरविंद जैन, डॉ. संगीत जैन, रो. डॉ. उमाशंकर दुबे तथा डॉ. आशुतोष दुबे ने अपनी सेवाएँ प्रदान करते हुए मरीजों का परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया। सबसे अच्छी बात ये रही की कोठिया के सेवा भावी लोगों ने बड़ा सहयोग किया एवं क्लब की सराहना की आगे बृहत शिविर में सभी प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

रेल्वे स्टेशन मार्ग पर आटो चालकों की मनमानी से ट्रेन पकड़ने के लिये पहुंचने वाले यात्रियों की जिन्दगी संकट में...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब जिले या फिर स्थानीय स्तर पर कोई अधिकारी आता है तो वह नगर में आने के उपरांत यहां की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को देखकर उसे सुधारने के लिए अपनी तरफ से पूरा भरोसा दिलाते हुए यह बात कहने से नही चूकता है कि इस नगर की सबसे बड़ी समस्या यातायात है जिसे सुधारने में वह कोई कसर नही छोड़ेगे और चंद दिनों में पटरी से उतरी हुई यातायात व्यवस्था को वह सुधार कर रहेगे..? मगर पता नही कि उन्हें इस नगर का पानी पीने के बाद जब उस पानी का असर होता है तो वह चंद दिनों के उपरांत अपने द्वारा ही कहे जाने वाले शब्दों को पूर्ण रूप से भूलकर जिस स्थिति में चल रही शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधराना ही भूल जाते है...? मगर इस बात कुछ दिन बीत जाने के बाद भी सुधार होते हुए कही दिखाई नही देता है। क्योंकि नगर की यातायात व्यवस्था की सच्चाई आज भी जहां की तहां बनी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के प्रमुख स्थल स्टेशन के समीप गौर किया जावे तो यहां पर यदि आटों चालकों की मनमानी इस प्रकार से हावी है कि जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग पर आटों चालकों का जिस प्रकार से मुख्य सड़क पर कब्जा रहता है कि आम वाहन चालकों की बात तो दूर पैदल तक लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि अनेक आटों चालक स्टेशन से मुख्य नगर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुई दुकानों के सामने अपने आटों इस प्रकार से काफी समय तक खड़े करे रहते है जिसके चलते संपूर्ण सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, इस स्थिति में ट्रेन पकड़ने के लिए दो पाहिया वाहनों या फिर पैदल जाने वाले रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है और स्थिति खराब उस समय और अधिक हो जाती है जब किसी ट्रेन के आने या फिर जाने का समय होता है जिसके चलते जब आम यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए किसी महिलाओं व अन्य परिजनों को दो पाहिया या चार पाहिया वाहन से लेकर जा रहे होते है उस समय मुख्य सड़क पर घंटों तक खड़े रहने वाले इन आटों के चलते ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले आम लोगों के वाहनों का यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से आटों चालकों की मनमानी को लेकर न तो पुलिस प्रशासन के अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही अन्य अधिकारी जिसके चलते आम लोगों को प्रतिदिन परेशान होते हुए देखा जा रहा है। जबकि गौर करने वाले बात तो यह है कि सुबह व शाम के वक्त बीना ट्रेन से अनेक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को इस मार्ग से निकलना होता है। इसके बाद भी इस प्रकार से आटों चालकों द्वारा की जा रही मनमानी उनके नजर में न आना जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करते हुए दिखाई दे रहा है?

अपनी दुर्दशा पा आँसू बहा रहा है सिहोरा रेल्वे स्टेशन

हरिभूमि न्यूज/मनकवारा। जहाँ एक ओर केन्द्र सरकार द्वारा क्षेत्र में अनेक प्रकार की रेल सेवायें देकर वाह वाही लूटी जा रही है वही दूसरी ओर देखा जाये तो पूर्व की बोहानी विधान सभा जो कि अब तेंदूखेड़ा विधान सभा हो गई है के अंतर्गत आने वाली एक मात्र रेल्वे स्टेशन सिहोरा बोहानी उपेक्षा की शिकार होकर अपनी बदहाली पर आँसू बहा रही है। इस स्टेशन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बोहानी रेल्वे स्टेशन जिस पर पैसेन्जर के अलावा एक्सप्रेस के नाम पर बीना गाड़ी व फास्ट पैसैन्जर मात्र रूकती है, यदि कहीं अन्य गाड़ियों के स्टाप के बारे में नेताओं ने सोचा होता तो शायद क्षेत्र के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि होती, मगर देखा जा रहा है कि बोहानी रेल्वे स्टेशन के लिये किसी भी केन्द्रीय व प्रदेश स्तर के नेता ने आज तक कोई पहल नहीं की है? जिससे क्षेत्र के गरीबों का भला हो सकता, अक्सर देखा जाता है कि नेता लोग जिले में मात्र बड़ी बड़ी गाड़िया शुरू कर के वाहवाही लूटते रहे है, जिससे क्षेत्र की गरीब जनता को कोई फायदा होने वाला नहीं है, जबकि सच्चाई यह है कि सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे के बीच इटारसी की ओर जाने के लिए दोपहर की पेसैन्जर के आलवा दूसरी गाडी एक्सप्रेस गाडी नही है? व दोपहर में 11 बजे पेसैन्जर के बाद जबलपुर की ओर जाने के लिए एक्सप्रेस गाड़ी नही है? ग्रामीणों का कहना है कि बोहानी तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में मात्र एक ही रेल्वे स्टेशन है और इस रेल्वे स्टेशन से ग्राम सिहोरा, ठुटी, महँगवाँ, अजंसरा, बुधवारा, खुलरी, बिलौनी, मुड़िया, भौरझिर, घघरौला, पटना, लिंगा, सूरना, करहैया, सलैया, देगुवाँ, तिगुवाँ, रहली, ढाढ़िया, मरका, चिरचिरा, पुरगवाँ, मनकवारा, बम्हौरी, पनारी, नरसरा, टेकापार, घौखेड़ा सहित अनेक ग्रामों के लोगों को यदि जबलपुर जाना है तो वह बोहानी रेल्वे स्टेशन से ही यात्रा करते हैं। मगर यहां पर पैसेन्जर के आलवा अन्य कोई दूसरी ट्रेनों के स्टाप नही होने के कारण यदि कोई पैसेन्जर चूक गया तो फिर उसे कोई साधन नही रहता है, कम से कम जनता ही रूकने लगती तो क्षेत्र की जनता के लिए कुछ लाभ तो होता? क्षेत्र के मारीजों को नागपुर जाने के लिए या तो करेली या फिर गाडरवारा जाना पड़ता है जब वह नागपुर जा पाते है यदि नागपुर यहां रूकने लगे तो मरीजों के लिए काफी लाभ दायक होगी।

ओवर लोडिंग वाहन बन रहे दुर्घटनाओं का कारण, पुलिस द्वारा किया जा रहा नजर अंदाज

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र में आये दिन घटित होने वाली घटनाओं को लेकर यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़कों पर जिस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई देखी जा रही है वह सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण साबित होने से नही चूक पा रहे है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो आये दिन पुलिस प्रशासन द्वारा ओवर लोड़गि वाहनों सहित नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की बात तो कही जाती है, मगर सड़को पर इस प्रकार से दौड़ने वाहन ओवर लोडिंग वाहनों को नजर अंदाज किया जाना निश्चित ही पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक पाता है? क्योंकि इस समय क्षेत्र की सड़कों पर जिस प्रकार से डेयरी संचालन करने वालों द्वारा ट्रेक्टर ट्रालियों में भूसा ढोने का कार्य किया जा रहा है उन ट्रालियों में भूसा भरने के लिये वह सभी नियमों का दर किनार करते हुये जिस प्रकार से भरते हुये देखे जा रहे है उसके चलते जब भूसा भरा हुआ यह वाहन मुख्य सड़को से गुजरता है तो वह पूरे मार्ग के यातायात में व्यवधान पहुंचाने में जहां कोई कसर नही छोड़ता है, वही दूसरी ओर ओवर लोडिंग स्थिति में भरे हुये इस वाहन को यदि कोई अन्य वाहन चालक ओवर टेक करते हुये आगे निकलने का प्रयास करता है तो उसे सामने से आने वाला वाहन दिखाई देता ही नही और जिसके चलते बड़ी घटनाएं घटित होने से नही चूक पाती है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से ओवर लोड स्थिति में भूसा ले जाने वाले वाहनो के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिये, मगर पुलिस प्रशासन इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि आम लोगों की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक पा रही है।

खबर संक्षेप

अरविंद सिंह को आज दी जाएगी अंतिम विदाई

अनूपपुर। जिले के शिक्षा जगत के लिए यह अपूरणीय क्षति का क्षण है। वार्ड क्रमांक 9 निवासी, वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का लंबी बीमारी के बाद उपचार के दौरान निधन हो गया। वे पिछले तीन-चार माह से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे और उनका उपचार सीएमसी वेल्लूर में चल रहा था। गुरुवार देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षा विभाग, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय अरविंद सिंह, स्वर्गीय सुदामा सिंह के ज्येष्ठ पुत्र थे। उन्होंने अपने लंबे शिक्षकीय जीवन में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाया। वे केवल एक शिक्षक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और समाज के लिए आदर्श व्यक्तित्व थे। उनकी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्र व्यवहार और शिक्षा के प्रति समर्पण ने उन्हें जिले में विशिष्ट पहचान दिलाई। उनके निधन से शिक्षा जगत ने अपना एक अनुभवी एवं सम्मानित स्तंभ खो दिया है। उनके सान्निध्य में शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी आज प्रशासन, शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उनके निधन से न केवल परिवार, बल्कि पूरा जिला स्वयं को शोकाकुल महसूस कर रहा है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय अरविंद सिंह का अंतिम संस्कार सोमवार प्रातः 10:00 बजे अनूपपुर के सोन नदी स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, पूर्व विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं समाज के लोग शामिल होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई देंगे। जिले के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं पत्रकार संगठनों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। एक शिक्षक का जाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की क्षति होती है। अरविंद सिंह का व्यक्तित्व और उनके संस्कार सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगे।

रेलवे की जनसुविधाओं को लेकर आज कांग्रेस का प्रदर्शन

अनूपपुर। जिले की लंबे समय से लंबित रेलवे एवं जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आज सोमवार को

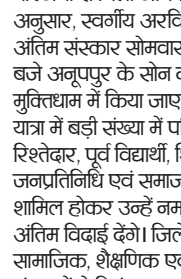

जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में अनूपपुर रेलवे स्टेशन में प्रदर्शन कर रेलवे महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के नाम स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को करेंगे। ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम प्रातः 11 बजे निर्धारित है। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने बताया कि ज्ञापन में आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इनमें बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय द्वारा वेकटनगर एवं निगौरा रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर दिए गए आश्वासन के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं किए जाने का मामला प्रमुख रहेगा। कांग्रेस इस वादाखिलाफी पर रेलवे प्रशासन से जवाब मांगते हुए शीघ्र ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग करेगी। इसके अलावा अनूपपुर रेलवे आरक्षण केंद्र के समय में की गई कटौती से यात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए पूर्व समय-सारिणी बहाल करने की मांग भी की जाएगी। ज्ञापन में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 तक प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज का निर्माण शीघ्र पूरा कराने, स्टेशन के सर्कुलेशन एरिया के बाहर यात्रियों के लिए सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था करने तथा वर्षों से लंबित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने की मांग भी शामिल रहेगी। महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस जनहित अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है।

सुनियामार में कलेक्टर की चौपाल, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।

जिले के विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनियामार में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शनिवार को चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।चौपाल में ग्रामीणों ने पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, सड़क सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं एवं मांगें कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर कलेक्टर ने ग्रामीणों से जल संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन करें तथा जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण सामुदायिक सहभागिता से ही प्रभावी रूप से संभव है।चौपाल में संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे, जनपद पंचायत बजाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बजाग अस्पताल में समीक्षा बैठक, स्वास्थ्य रथ रवाना

डिंडौरी। वर्षा ऋतु के दौरान संक्रामक एवं जलजनित रोगों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बजाग का निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली।बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीएमओ, चिकित्सकों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने भर्ती मरीजों की नियमित देखभाल, अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।समीक्षा बैठक के उपरांत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह स्वास्थ्य रथ गांव-गांव पहुंचकर वर्षा ऋतु में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, जलजनित एवं संक्रामक रोगों से बचाव तथा समय पर उपचार के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

डिंडौरी। जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। ग्रीष्मकालीन अवधि (19 मार्च से 30 जून) के दौरान जनभागीदारी से स्टॉप डेम, खेत तालाब, कंटूर ट्रेंच एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी जल संरचनाओं के निर्माण के चलते डिंडौरी ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है।इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्राम पंचायत तेंदुमेर मोहतरा में निर्मित स्टॉप डेम का निरीक्षण किया। उन्होंने डेम में पर्याप्त जलभराव का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदल की सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण के ऐसे प्रयास भूजल स्तर बढ़ाने के साथ किसानों और ग्रामीणों के लिए भी दीर्घकालीन रूप से लाभकारी साबित होंगे।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल संरचनाओं के नियमित रखरखाव एवं जनभागीदारी के माध्यम से जल संवर्धन कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देकर ही भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित किया जा सकता है।इस अवसर पर एसडीएम रामबाबू देवांगन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार, तहसीलदार सुंदर लाल यादव, जसवंत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शहपुरा क्षेत्र में 80 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

डिंडौरी। शहपुरा विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में रविवार को क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगभग 80 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शुभारंभ किया।विधायक ने ग्राम पंचायत दल्का खम्हरिया में 37 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन पंचायत भवन, ग्राम कहेंजरा में 6 लाख रुपये की सीसी रोड, ग्राम रावणकुंड में 2 लाख रुपये की लागत से बनने वाले रंगमंच, ग्राम आबादी पिपरिया में 10 लाख रुपये की सीसी रोड तथा ग्राम पंचायत सरई में नवीन प्राथमिक शाला भवन सहित अन्य निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, शिक्षा, पंचायत भवन एवं अन्य सार्वजनिक अधोसंरचना के विकास से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो, बद्री प्रसाद साहू, दुर्गेश साहू, हिरेंद्र मरावी, मंडल महामंत्री राजेंद्र तिवारी, श्रीमती प्रीति झरिया, जनपद सदस्य देवीदीन झरिया सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चटुवा सामुदायिक भवन हादसे पर प्रशासन सख्त चार को नोटिस, सरपंच ने घटना पर रखा अपना पक्ष

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत चटुवा में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन की छत ढलाई के दौरान हुई घटना को लेकर प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए चार संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं, ग्राम पंचायत के सरपंच रामनरेश धुरैया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर घटना के संबंध में अपना पक्ष भी रखा है।कलेक्टर द्वारा जारी नोटिस सहायक यंत्री (आरईएस) बीर सिंह तिलगाम, संविदा उपयंत्री फिरोज खान, ग्राम रोजगार सहायक अशोक चंदेल तथा ग्राम पंचायत चटुवा के सरपंच रामनरेश धुरैया को दिया गया है। प्रशासन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन की 9 जुलाई को छत ढलाई के दौरान छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे निर्माण कार्य में लगा एक श्रमिक घायल हो गया। घायल श्रमिक को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाकर उपचार कराया गया।

कलेक्टर ने जारी नोटिस में उल्लेख किया है कि छत ढलाई से पूर्व निर्माण कार्य का आवश्यक तकनीकी निरीक्षण, सेंटरिंग तथा उपयोग में लाई गई निर्माण सामग्री एवं सरिए की गुणवत्ता का समुचित परीक्षण नहीं किया गया। प्रथम दृष्टया यह गंभीर लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, जिससे मानव जीवन जोखिम में पड़ा और शासकीय कार्य प्रभावित हुआ। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निर्धारित समय-सीमा में स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।दूसरी ओर, ग्राम पंचायत चटुवा के सरपंच रामनरेश धुरैया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि लैंटर ढलाई के दौरान मिक्सर मशीन में तकनीकी खराबी आने से वह सेंटरिंग पर गिर गई, जिससे भवन के एक हिस्से की सेंटरिंग झूल गई। उनके अनुसार घटना में एक मजदूर को बल्ली लगने से हल्की चोट आई थी, जिसे तत्काल अस्पताल भेजकर उपचार कराया गया और उपचार के बाद वह सुरक्षित घर लौट गया। उन्होंने कहा कि घटना के समय निर्माण कार्य की निगरानी के लिए वे स्वयं, पंचायत सचिव एवं संबंधित उपयंत्री मौके पर मौजूद थे।फिलहाल प्रशासन द्वारा घटना की जांच एवं जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया जारी है संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुष्पराजगढ़ की जीवनदायिनी सीएलएफ का राज्य स्तरीय मूल्यांकन इमर्शन साइट सुदृढ़ीकरण की दिशा में अहम पहल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत सीएलएफ (संकुल स्तरीय संगठन) इमर्शन साइट सुदृढ़ीकरण के लिए नेशनल मिशन मैनेजमेंट यूनिट, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में जिले में व्यापक स्तर पर मूल्यांकन एवं समीक्षा की जा रही है। जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी के मार्गदर्शन में सामुदायिक संस्थाओं को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य स्तरीय मूल्यांकन दल ने जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड का भ्रमण कर जीवनदायिनी संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) का विस्तृत आकलन किया। भ्रमण के दौरान दल ने अमरज्योति ग्राम संगठन, बसनिहा एवं बजरंग स्व-सहायता समूह, देवरा के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों से संवाद कर आजीविका गतिविधियों, संगठनात्मक कार्यप्रणाली तथा इमर्शन साइट के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। जिला परियोजना प्रबंधक, आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह ने बताया कि मूल्यांकन के दौरान राज्य स्तरीय टीम ने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, वित्तीय प्रबंधन, दस्तावेज संधारण, सामुदायिक नेतृत्व और भविष्य की कार्ययोजना जैसे विषयों पर विस्तार से समीक्षा की। टीम ने अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए इमर्शन साइट के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश भी दिए। राज्य स्तरीय मूल्यांकन दल में नेशनल रिसोर्स पर्सन प्रभात पांडे तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, भोपाल के यंग प्रोफेशनल सुधीर कुशवाहा शामिल रहे। उनके भ्रमण से स्थानीय सामुदायिक संस्थाओं एवं स्वयं सहायता समूहों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

बिना पार्किंग संचालित हो रहे बैंक, सड़क पर खड़े वाहनों से रोज लग रहा जाम

करोड़ों का कारोबार करने वाले बैंक ग्राहकों को नहीं दे पा रहे मूलभूत सुविधा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में संचालित कई राष्ट्रीयकृत एवं ग्रामीण बैंक वर्षों से बिना समुचित पार्किंग व्यवस्था के संचालित हो रहे हैं। करोड़ों रुपये का लेन-देन करने वाले इन बैंकों में ग्राहकों के लिए वाहन पार्क करने की सुविधा नहीं होने से लोग मजबूरी में अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। इसका खामियाजा आम नागरिकों को प्रतिदिन जाम और यातायात अव्यवस्था के रूप में भुगतना पड़ रहा है। नगर में संचालित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तथा विभिन्न ग्रामीण बैंकों की अधिकांश शाखाएं किराए के भवनों में संचालित हो रही हैं। इन भवनों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बैंक आने वाले ग्राहक मुख्य मार्गों पर ही वाहन खड़े कर देते हैं। इससे सड़क संकरी हो जाती है और व्यस्त समय में जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। सबसे अधिक परेशानी बस स्टैंड के समीप संचालित स्टेट बैंक शाखा के सामने देखने को मिलती है। मॉडल रोड पर स्थित इस शाखा में पार्किंग नहीं होने से ग्राहक सड़क पर ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और कई बार घंटों तक जाम लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या से वर्षों से लोग परेशान हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। जानकारी के अनुसार, स्टेट बैंक को भवन किराए पर उपलब्ध कराते समय पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद कई वर्ष बीत जाने के बाद भी बैंक परिसर में पार्किंग की सुविधा विकसित नहीं की गई है। वहीं अन्य बैंक शाखाओं की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बैंक प्रबंधन और भवन मालिक इस गंभीर समस्या की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। पूर्व में नगर पालिका द्वारा पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित बैंक प्रबंधकों को नोटिस भी जारी किए गए थे

मैया अभियान के तहत इमली कुटी घाट पर चला स्वच्छता अभियान

डिंडौरी। मैया अभियान के अंतर्गत रविवार को इमली कुटी घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान घाट परिसर में फैली प्लास्टिक, कचरा एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटाकर घाट को स्वच्छ और स्नान योग्य बनाया गया।स्वच्छता अभियान के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं अभियान से जुड़े सदस्यों ने नगरवासियों से मां नर्मदा के घाटों की स्वच्छता बनाए रखने, एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।अभियान में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामबाबू देवांगन, लोक निर्माण विभाग के ई. एम.एस. धुर्वे, जिला पंचायत के रामजीवन वर्मा, डॉ. संतोष परस्ते, ओमवीर, मनोज चौकसे, संतोष परमार, अवध गो, राकेश नामदेव, कमलेश वाल्मीकि, माही बरौतिया सहित मैया अभियान के सदस्य एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए।अभियान के दौरान सभी ने स्वच्छ एवं निर्मल घाटों के संरक्षण का संकल्प लिया और जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

चचेरे भाई की फोटो लगा बनाया फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट

समाज में छवि धूमिल करने वाला शातिर शिवम सोनी गिरफ्तार

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नरवार में दो सगे चचेरे भाइयों के बीच चल रहे जमीन के विवाद ने ऐसा मोड़ लिया कि एक भाई ने दूसरे को सामाजिक रूप से तबाह करने के लिए डिजिटल हथियार उठा लिया। रंजिश की कुंठा में अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए आरोपी भाई ने अपने ही चचेरे भाई का फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, उसकी तस्वीर लगाई और उसकी पहचान चुराकर लोगों को गुमराह करने लगा। इस डिजिटल साजिश का भंडाफोड़ तब हुआ जब पीड़ित की शिकायत पर नौरोजाबाद पुलिस ने तकनीकी जांच का चाबुक चलाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा ठोक दिया है।

जमीन की रंजिश से सोशल मीडिया की साजिश तक

ग्राम नरवार निवासी आशीष सोनी और आरोपी शिवम सोनी आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। यह विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि दोनों परिवार अब गांव में एक-दूसरे की शक्ल देखना भी पसंद नहीं करते और अलग-अलग स्थानों पर मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन आरोपी शिवम सोनी के दिल में पल रही नफरत सिर्फ जमीन तक महदूद नहीं रही। आशीष को सामाजिक रूप से बदनाम करने और उसका मान-मर्दन करने के लिए शिवम ने एक खौफनाक साइबर चाल चली। उसने इंस्टाग्राम पर आशीष सोनी के नाम से एक फर्जी प्रोफाइल बनाई। शातिरपन की हद देखिए कि प्रोफाइल पिक्चर में आशीष की ही फोटो लगा दी, ताकि किसी को रत्ती भर भी शक न हो।

पहचान चुराई, छवि पर लगाया बट्टा

इसके बाद बदनामी का गंदा खेल शुरू हुआ। आरोपी खुद को आशीष सोनी बताकर उसके दोस्तों, रिश्तेदारों और परिचितों को मैसेज भेजने लगा। वह आशीष की पहचान ओढ़कर लोगों से ऐसी बातचीत कर रहा था, जिससे समाज में आशीष की बदनामी हो। इस करतूत के कारण परिचितों के बीच भारी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। नतीजा यह हुआ कि आशीष सोनी की बरसों की कमाई सामाजिक प्रतिष्ठा पल भर में धूमिल होने लगी। इस फर्जीवाड़े की वजह से पीड़ित के कई व्यक्तिगत, व्यापारिक और सामाजिक काम ऐन वक्त पर बिगड़ गए और उसे भारी मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी।

गहरे गड्ढे में समाते-समाते बची 25 यात्रियों से भरी बस, मची चीख-पुकार

उमरिया। नेशनल हाईवे-43 स्थित देवगांव रेलवे क्रॉसिंग का डायवर्सन मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए सडक़ दुर्घटनाओं का अड्डा बन चुका है। रविवार को यहां गहरवार ट्रेवल्स की एक यात्री बस मौत के गड्ढे में समाने से बाल-बाल बच गई। सतना से शहडोल जा रही इस बस में करीब 25 जिंदगियां सवार थीं, जो प्रशासनिक लापरवाही के कारण काल के गाल में समाने से बचीं। गनीमत रही कि हादसे में किसी को खरोंच तक नहीं आई, वरना एक बड़ा मातम तय था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देवगांव डायवर्सन के जानलेवा मोड़ पर अचानक सामने से एक अनियंत्रित कार आ गई। आमने-सामने की भीषण भिड़ंत को टालने के लिए बस चालक फैज न सूझबूझ दिखाई और स्टेयरिंग को किनारे काट दिया, लेकिन सडक़ किनारे बना गहरा और खतरनाक गड्ढा बस को लीलने के लिए तैयार था। बस का पहिया गड्ढे में उतरते ही गाड़ी अनियंत्रित होकर फंस गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 13 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

गुणवत्ताहीन बीज का विक्रय किसानों के लिए बन रहा परेशानी

कंपनी के कर्मचारियों की मिलीभगत का भी अंदेशा

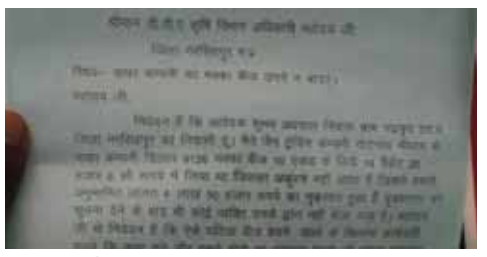

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने के लिए अनेकों प्रयास कर लाभांवित करने की योजनाए बना कर अच्छी कृषि व्यवस्था देने के लिए प्रयासरत है। परन्तु किसानों को बेचें जा रहे बीज की गुणवत्ता सही ना होने से किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है। जिस ओर प्रशासन के जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। किसानों को दुकानदारों तथा कंपनी के एजेंटों के माध्यम से विक्रय किया गया। बीज में गुणवत्ता ना होने के कारण किसानों को दोबारा पुनः वुबाई करनी पड़ रही है जिससे लागत का अतिरिक्त भार वहन करना पड़ रहा है। वही कंपनियों द्वारा किसानों को संतुष्टि पूर्वक जबाब भी नही दिया जा रहा है। ऐसा मामला समाने आया जिसमें किसान द्वारा शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

मामला इस प्रकार

किसानों की सुविधा के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति देकर खाद बीज की दुकान संचालित करने का लाइसेंस प्रदान किया जाता है और उन्ही दुकानों पर विविध कंपनी के एजेंटों द्वारा अपनी कंपनी के बीज गुणवत्ता एवं दाम को लेकर दुकानदार को समझाकर बीज का विक्रय करने तथा फायदा बताकर विक्रय करा दिया जाता है और बाद में कंपनी द्वारा हाथ खड़े कर लिए जाते है। किसान द्वारा किसान चंदप्रकाश अग्रवाल एवं शुभम अग्रवाल द्वारा जिला प्रशासन को शिकायत देकर बताया कि उनके द्वारा बीज खरीद कर वुबाई की गई थी लेकिन बीज गुणवत्ता युक्त ना होने के कारण फसल में वृद्धि नही हो रही है। जिस कारण से पुनः वुबाई करनी पड़ रही है। किसानों द्वारा कंपनी पर ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए हजार्ने की मांग की गई है।

क्या होती है एजेंटो की भूमिका

कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए एजेंट दुकानदार से सांठगांठ कर प्रलोभन देकर बीज का विक्रय कराया जाता है साथ ही बीज की पूर्ति के लिए कंपनी के एजेंट माल बुलाकर दुकानदार को सप्लाई करते है। इससे होता यह है कि कंपनी के जो एजेंट होते है वही बीच में अधिक लाभ कमाने के चक्कर में नकली बीज का निर्माण भी करा लेते है और पैकिंग करके असली के साथ नकली बीज का बिक्रय पैकिट मिक्स करके बेच दिया जाता है। इससे होता यह है कि जितना बीज कंपनी से प्रमाणित था वह उपज अच्छी देता है और जो अमानक बीज था उसे कंपनी किसान को भूमि का दोष बताकर पल्ला झाड़ लेती है वही किसान के पैसों को एजेंट अपनी जेब में रखकर मोटी कमाई कर लेता है। ये सिंडीकेट पूर्व से चला आ रहा है किसाना ठगा जाता है। कंपनी को कोई प्रभाव नही पड़ता एजेंट की बल्ले बल्ले होती है। इस प्रकार के कई जुगाड़ एजेंटो के पास होते है।

बनाया गया नकली बीज

जिला मुख्यालय में कार्यरत निजी बीज कंपनी के कर्मचारी द्वारा अमानक बीज की पैकिंग कराई गई कंपनी के एजेंट द्वारा उक्त बीज को कहां विक्रय किया गया इसकी कोई ठोस जानकारी नही दी जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी कंपनी के कर्मचारी महेश पटेल द्वारा अमानक मक्का बीज दीपक नाम के दूसरी कंपनी के कर्मचारी से पैकिंग कराए गए। उक्त बीज मानक गुणवत्ता पूर्ण नही है। अब यह बीज किसानों द्वारा खरीद कर वुबाई की गई है जिसका उत्पादन कम होगा या होगा ही नही। इस सिंडीकेट पर भी प्रशासन की नजर होनी चाहिए। प्रशासन को चाहिए की कंपनी के ऐसे एजेंटो पर ठोस कार्रवाई करते हुए बेचे गए मक्का बीज की बुवाई क्षेत्र का आकलन कर कंपनी के ऐसे कर्मचारियों द्वारा भरपाई कराई जाए जिससे इस प्रकार की धोखाधड़ी किसानों के साथ ना हो सके।

खबर संक्षेप

रासेयो छात्रा ईकाई ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.बी.सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी सह प्रभारी प्रो.प्रीति कौरव के मार्गदर्शन में एवं दलनायिका मनीषा राजपूत के नेतृत्व में जनसंख्या दिवस एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी कुमारी, सह प्रभारी प्रो.प्रीति कौरव, श्रीमती कल्पना साहू उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा स्वयंसेवकों को जनसंख्या वृद्धि एवं उससे होने वाले लाभ और हानि के विषय में अवगत कराया गया तत्पश्चात सह प्रभारी प्रो.प्रीति कौरव के द्वारा स्वयं सेवकों को वृक्षारोपण एवं जनसंख्या दोनों ही विषयों पर उद्बोधन दिया गया कार्यक्रम का मंच संचालन दलनायिका मनीषा राजपूत के द्वारा किया गया कार्यकम के पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता, प्रिया मेहरा, रितु लोधी, अनीश कुमार गोंड, रनित उपाध्याय, शालिनी चढार, अमन पाठक, पुनीत डेहरिया, प्रशांत डेहरिया, अंशुल प्रजापति, सिमरन, रानी लोधी, गोमती मलाह, भावना, गीता लोधी, महिमा लोधी, कल्पना लोधी, रामवती कुर्मी, पूजा मेहरा आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहीं।

जबलपुर हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य केंद्र के सामने बन रहे सामुदायिक भवन के निर्माण पर लगाई रोक, शासन से मांगे निर्देश

करेली विगत दिवस मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर की खंडपीठ ने जिला नरसिंहपुर के ग्राम गरहा, जनपद पंचायत चावरपाठा में उप-स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही न्यायालय ने राज्य शासन की ओर से उपस्थित सरकारी अधिवक्ता को मामले में संबंधित विभाग से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।यह जनहित याचिका (PIL) अमित पेठिया द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उप-स्वास्थ्य केंद्र के सामने सामुदायिक भवन का निर्माण किए जाने से मरीजों के आवागमन तथा स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में गंभीर बाधा उत्पन्न होगी। याचिका में यह भी कहा गया कि निर्माण स्थल का चयन सार्वजनिक हित के विपरीत है।मामले की सुनवाई माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवं माननीय न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने की। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान न्यायालय ने निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए शासन से विस्तृत निर्देश प्राप्त करने के लिए कहा और मामले को अगली सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता बृजेन्द्र स्वरूप साहू एवं अधिवक्ता रविकांत शुक्ला ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने सामुदायिक भवन का निर्माण सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए गंभीर समस्या उत्पन्न करेगा। उन्होंने न्यायालय से निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की, जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए अंतरिम राहत प्रदान की।मामले की अगली सुनवाई निर्धारित तिथि पर होगी, जिस पर राज्य शासन अपना पक्ष एवं आवश्यक निर्देश न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

महिला मंडल द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय अक्षरधाम कॉलोनी प्रांगण में अग्रवाल महिला मंडल द्वारा एक भव्य एवं गरिमामयी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पर्यावरण हितैषी अभियान का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना, पर्यावरण को शुद्ध एवं प्रदूषण मुक्त बनाना तथा हरे-भरे वृक्षों के माध्यम से जन-मानस में वृक्षों के अमूल्य महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम में अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल के नेतृत्व में संध्या अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, अंजुला अग्रवाल, अपर्णा अग्रवाल, कुमारी लता अग्रवाल, रागनी अग्रवाल, नीता अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, श्रेया अग्रवाल, शगुन अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, रितु अग्रवाल और पूर्वी अग्रवाल सहित सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर सामूहिक रूप से विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। इस पौधारोपण अभियान का मुख्य लक्ष्य कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र को सुंदर और हरा-भरा बनाकर प्राकृतिक सौंदर्य एवं हरियाली को बढ़ाना, वायुमंडल को स्वच्छ कर हानिकारक गैसों के प्रभाव को कम करते हुए प्रदूषण में कमी लाना, शुद्ध ऑक्सीजन की प्रचुरता से स्थानीय निवासियों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना और पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत कर पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देना है। उपस्थित समाजजन को संबोधित करते हुए मंडल की सदस्यों ने कहा कि आज के समय में निरंतर बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने का एकमात्र प्रभावी उपाय अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना है। हरे वृक्ष न केवल हमारे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की भी सुरक्षा करते हैं। अग्रवाल महिला मंडल ने इस अवसर पर न केवल नए पौधों का रोपण किया, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक से यह संकल्प भी दिलाया कि वे न सिर्फ एक पौधा लगाएं, बल्कि उसके पूरी तरह बड़े होने तक एक शिशु की भांति उसकी देखरेख और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठाएं।

स्थानांतरण के 15 दिन बाद भी कर्मचारी नहीं हुए कार्यमुक्त

नरसिंहपुर। जिले में स्थानांतरण आदेश जारी होने के लगभग पंद्रह दिन बाद भी कई विभागों में कर्मचारियों को कार्यमुक्त नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। विशेष रूप से शिक्षा विभाग में निर्धारित समय सीमा के बावजूद रिलीविंग लंबित रहने से कर्मचारी असमंजस की स्थिति में हैं।चर्चा है कि विभागीय मंत्री एवं आयुक्त के आदेशों के बावजूद कई प्रकरणों में केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है। इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी है और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।बताया जा रहा है कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर भी कई फाइलें लंबित हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जिन मामलों में कुछ ही मिनटों में निर्णय लिया जा सकता है, उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित रखा जा रहा है।शिक्षा विभाग में जहां शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस के माध्यम से समय की सख्ती लागू की गई है, वहीं स्थानांतरण के बाद जॉइनिंग और रिलीविंग में हो रही देरी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जिले की बेटी के सपनों को मिला पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल का सहारा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जनसेवा को अपनी प्राथमिकता मानने वाले पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने एक बार फिर संवेदनशील पहल करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की दो बेटियों की शिक्षा का संपूर्ण दायित्व उठाने का निर्णय लिया। उनकी इस पहल की जिलेभर में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार, नरसिंहपुर निवासी छात्रा रंजना अपने परिजनों के साथ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल से मिलने पहुंची इस दौरान बिटिया ने परिवार की आर्थिक स्थिति और पढ़ाई जारी रखने में आ रही कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराया। छात्रा ने बताया कि उसने कक्षा 10वीं की परीक्षा में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और उसका सपना डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करने का है, लेकिन आर्थिक अभाव उसके सपनों के बीच बड़ी बाधा बन रहा है छात्रा की बात सुनते ही जालम सिंह पटेल ने तत्काल विद्यालय प्रबंधन से चर्चा कर उसकी समस्याओं के समाधान की पहल की। उन्होंने न केवल रंजना, बल्कि उसकी बहन की शिक्षा का पूरा खर्च स्वयं वहन करने का आश्वासन दिया। साथ ही छात्रा को लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर मेहनत करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आर्थिक चिंता से मुक्त होकर पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति कभी भी उनके सपनों में बाधा नहीं बननी चाहिए। समाज के सक्षम लोगों का दायित्व है कि वे जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करें, क्योंकि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य का सबसे मजबूत आधार है विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि छात्रा की प्रतिभा और परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व राज्यमंत्री ने तत्काल दोनों बहनों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेने का निर्णय किया। उन्होंने दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे चलकर अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

किसानों को वितरित किए सोयाबीन बीज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में किसानों की आय बढ़ाने और उन्नत खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग नरसिंहपुर एवं शक्ति पूजा एफपीओ, करेली के संयुक्त तत्वावधान में सोयाबीन के उन्नत बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग ने लगभग 200 किसानों को उन्नत गुणवत्ता के सोयाबीन बीज वितरित किए। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों को प्रदर्शन प्लॉट तैयार करने के लिए 30-30 किलोग्राम सोयाबीन बीज उपलब्ध कराए गए, ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन कर अधिक से अधिक किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रेरित किया जा सके। कृषि विभाग ने किसानों से गुणवत्तापूर्ण बीजों के साथ वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं फसल की नियमित निगरानी से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कृषि विभाग किसानों को हर स्तर पर तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम के प्रथम नगर आगमन को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच जिम्मेदारियों का विभाजन किया गया। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे संगठनात्मक गतिविधियों और डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग कर सकें बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और अनुशासित कार्यशैली से होती है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया उक्त बैठक में मोर्चा जिला प्रभारी गुरुप्रसाद धुर्वे,भाजपा जिला मंत्री दुर्गेश नंदनी उइके अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकुमार ठाकुर सहित मोर्चा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुर्दाघर के लिए मुर्दा पड़ा सिस्टम, यहां इलाज कराने आएं या मौत का तमाशा देखें, 1970 का पीएम भवन हुआ जर्जर, अस्पताल परिसर में हो रहा पोस्टमार्टम; 10 लाख स्वीकृत, फिर भी निर्माण शुरू नहीं

गोटेगांव। संदिग्ध मौत और सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में सच्चाई सामने लाने वाली पोस्टमार्टम व्यवस्था खुद बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। वर्ष 1970 में शांति धाम के पास निर्मित पोस्टमार्टम (पीएम) भवन पूरी तरह जर्जर होकर अनुपयोगी हो चुका है। विभागीय इंजीनियर द्वारा भवन को डिस्मेंटल घोषित किए जाने के बाद अब मजबूरी में पुराने शासकीय अस्पताल परिसर स्थित मर्चुरी में पोस्टमार्टम किए जा रहे हैं।इस व्यवस्था से अस्पताल आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और स्वास्थ्य कर्मियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर के बीच पोस्टमार्टम होने से मरीजों पर मानसिक प्रभाव पड़ता है, वहीं पोस्टमार्टम स्टाफ भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कार्य करने को मजबूर है।जानकारी के अनुसार नए पीएम भवन के निर्माण के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है तथा टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। इसके बावजूद करीब दो माह बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। इससे सवाल उठ रहे हैं कि स्वीकृत राशि के बाद भी निर्माण कार्य आखिर किस कारण अटका हुआ है।स्थानीय लोगों की मांगनगरवासियों और मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि नए पोस्टमार्टम भवन का निर्माण शीघ्र शुरू कराया जाए, ताकि अस्पताल परिसर में हो रही इस असुविधाजनक व्यवस्था से राहत मिल सके।

इनका कहना है

पुराना पोस्टमार्टम भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। नए भवन के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये स्वीकृत हैं और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। संबंधित अधिकारियों को निर्माण शीघ्र प्रारंभ कराने के लिए अवगत कराया गया है। सबसे अधिक परेशानी हमारे स्टाफ और अस्पताल आने वाले मरीजों को हो रही है।
डॉ. एस.एस. धुर्वे,
बीएमओ, गोटेगांव

द एबोड स्कूल ऑफ ड्रीम्स के विद्यार्थियों ने SOF ओलंपियाड में लहराया परचम

स्वर्ण पदकों, अंतरराष्ट्रीय रैंक एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

करेली। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था द एबोड स्कूल ऑफ ड्रीम्स, करेली में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (**SOF**) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए गोल्ड मेडल एवं सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस वितरण समारोह का आयोजन किया गया। ये परीक्षाएँ अखिल भारतीय स्तर पर सितंबर से नवंबर 2025 के मध्य विभिन्न तिथियों पर आयोजित की गई थीं।**इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड (**IMO**) में कक्षा 1 से 9 तक के 62 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 22 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की, वहीं वर्तमान सत्र की कक्षा 4 के छात्र प्रथम वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्तर (**Second Level**) के लिए चयनित होकर सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्राप्त किया।**नेशनल साइंस ओलंपियाड (**NSO**) में 16 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें वर्तमान सत्र की कक्षा 7 की छात्रा राजवी साहनी ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।**इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड (**IEO**) में 13 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें वर्तमान सत्र की कक्षा 2 की छात्राएँ आव्या चौधरी एवं सुदिति रघुवंशी ने स्वर्ण पदक अर्जित किए। विद्यालय ने निरंतर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन बरकरार रखा है , राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड (**IHO**) में वर्तमान सत्र की कक्षा पांचवीं की छात्रा भूमिका मेहरा ने अंतरराष्ट्रीय तृतीय रैंक (**International Rank**-3) प्राप्त कर इंटरनेशनल ब्रॉन्ज मेडल एवं सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस हासिल किया, इसी ओलंपियाड में कक्षा 5 की छात्रा आराध्या साहू ने अंतरराष्ट्रीय 10वीं रैंक प्राप्त कर सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस एवं आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस सर्टिफिकेट प्राप्त किया।**इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड (**IEO**) में वर्तमान सत्र की कक्षा 2 की छात्राएँ आव्या चौधरी एवं सुदिति रघुवंशी ने 20वीं अंतरराष्ट्रीय रैंक प्राप्त कर सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस से सम्मानित होने का गौरव अर्जित किया।

शहनाईयां थमीं विवाह आदि मांगलिक कार्यों पर लगा ब्रेक

तेंदूखेड़ा ।आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा बुधवार को देव गुरु बृहस्पति के अस्त के तीन दिन पूर्व गुरु के वार्धक्य दोष के कारण विवाह आदि मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया है। चातुर्मास के बाद देव उठनी एकादशी से फिर विवाहों का सिलसिला प्रारंभ होगा।

आषाढी भौमवती अमावस्या- आषाढ़ मास की अमावस्या इस बार मंगलवार को रहेगी। आषाढ़ के महीने में इस बार पांच मंगलवार का योग बना हुआ है। यह अमावस्या हलहारिणी अमावस्या के रूप में मनाई जाती है। कृषि प्रधान क्षेत्रों में इस अमावस्या को कृषक अपने कृषि उपकरणों का पूजन करते हैं।यह अमावस्या पितरों की अक्षय तृप्ति के लिए तर्पण श्राद्धआदि के लिए उत्तम मानी जाती है। आत्म चिंतन ध्यान जप साधना के साथ कर्ज मुक्ति के लिए किये गये प्रयोग भी इस दिन सार्थक होते हैं।

कर्क संक्रांति और सूर्य दक्षिणायन- इसी महीने 16 जुलाई को सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश के साथ सूर्य का अयन परिवर्तन होकर सूर्य दक्षिणायन हो जायेंगे। हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य पं प्रमोद पचौरी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एक वर्ष के देवताओं के अहोरात्र में देवताओं की रात्रि का प्रारंभ हो जाएगा। जल तत्व वाली कर्क राशि में सूर्य के प्रवेश के साथ मानसून सक्रिय हो जाता है ऋतु परिवर्तन के साथ स्वास्थ्य और कृषि की दृष्टि से भी यह समय परिवर्तनशील होता है।

119वीं जयंती पर खेल स्टेडियम में आयोजन हरिविष्णु कामथ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि आज

करेली। नगर के हरिविष्णु कामथ खेल स्टेडियम में आज 13 जुलाई 2026 को 11 बजे उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि का आयोजन किया जा रहा है। जननेता स्व. श्री हरिविष्णु कामथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सदस्य संविधान निर्मात्री सभा, पूर्व सांसद का जन्म-13 जुलाई 1907 को व अवसान-09 अक्टूबर 1982 को हुआ। स्व. हरिविष्णु कामथ ने लन्दन में उच्च शिक्षा प्राप्त कर 1933 में आई.सी.एस. परीक्षा (वर्तमान आईएएस) उत्तीर्ण की। जिले के डिप्टी कमिश्नर नरसिंहपुर (कलेक्टर) रहते हुए नेताजी सुभाषचंद बोस से त्रिपुरी अधिवेशन के बाद जब नरसिंहपुर स्टेशन पर मिले तब अंग्रेजी हुकुमत ने इसे बगावत माना तो उन्होनें अपने पद से त्यागपत्र दे दिया तब उन्हें ने जेल में बन्द कर दिया। नेताजी से आपके आदर्श नेता थे 1941 में युद्ध विरोधी भाषण पर गिरफ्तार हुये। भारत छोड़ो आन्दोलन के सिलसिले में 1942 में उन्हें जबलपुर जेल में रखा गया। सन 1945 में जेल से रिहा होने पर नेताजी के दल फॉरवर्ड ब्लाक में चले गये। आजादी के बाद पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान निर्मात्री सभा का सदस्य बनाया डॉ. अम्बेडकर के साथ सहयोग कर संविधान को प्रजांतत्रीय बनाने में योगदान दिया पंड़ितजी ने अनेक बार कांग्रेस में शामिल करने का प्रयास किया।स्वाधीनता आंदोलन और आजादी के बाद करेली अनेक बार आये। आप करेली को जिले का राजनीतिक मरकज कहा करते थे। क्षेत्र जीवन भर उनकी कर्मभूमि रहा। आपका करेली से विशेष लगाव रहा है। सिद्धांतों के चलते सदैव विपक्ष में रहे। फारवर्ड ब्लाक के समाजवादी दलों में विलीनीकरण के बाद प्रजा समाजवादी दल में रहे कांग्रेस की प्रदेश में सरकार होने के बावजूद जबलपुर से खंडवा तक पूरा क्षेत्र प्रजा समाजवादी पार्टी का गढ़ बन गया था बाद में जनता पार्टी के नेता के रूप में राष्ट्रीय कार्य समिति में रहे। आप होशंगाबाद क्षेत्र से 3 बार 1953, 1962, 1977 में सांसद रहे, बरमान का सतधारा पुल, शटल ट्रेन, होशंगाबाद में सुरक्षा कागज कारखाना, तवा बाँध और इटारसी में निर्मित पुल उनके प्रयासों का नतीजा है। संसदीय क्षेत्र की समस्याओं के लिए सदैव प्रयत्नशील व सचेत रहते थे। छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन उनका सपना थी आपके प्रयासों से इसका सर्वे भी हुआ जिसके क्रियान्वयन का आज भी इंतजार है।